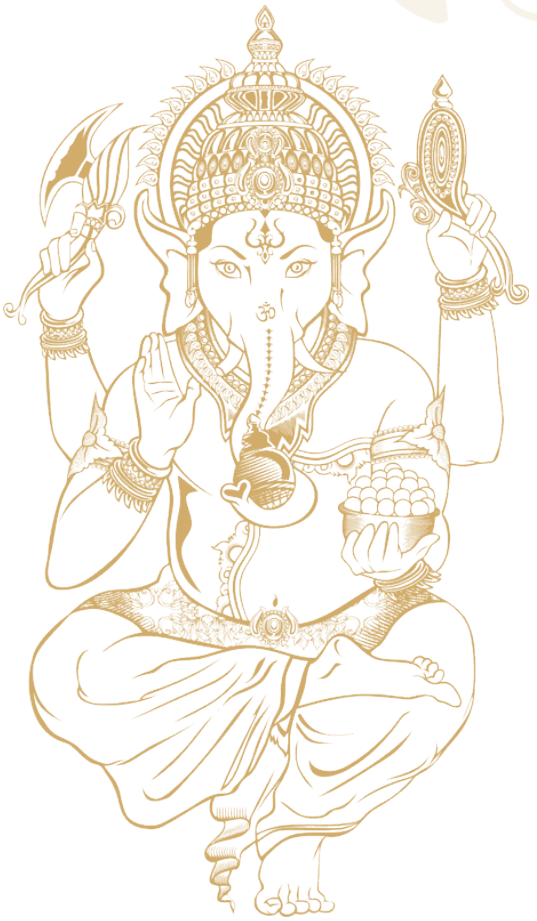

Male

Sakshi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121493406

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25/12/1996	जन्म तिथि	25/09/1999
बुधवार	दिन	शनिवार
घंटे 11:35:00	जन्म समय	19:11:00 घंटे
घटी 10:57:51	जन्म समय(घटी)	32:30:34 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Ghaziabad
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:40:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:20:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:11:51	सूर्योदय	06:09:54
17:30:56	सूर्यास्त	18:13:56
23:48:55	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:58

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 7वर्ष 7मा 12दि		25:30:36	कुंभ	लग्न	मीन	29:31:19	शनि 9वर्ष 10मा 10दि	
शनि		09:55:06	धनु	सूर्य	कन्या	08:11:46	बुध	
07/08/2020		14:21:26	मिथु	चंद्र	मीन	09:44:46	05/08/2009	
08/08/2039		03:02:11	कन्या	मंगल	वृश्चि	21:03:14	06/08/2026	
शनि	11/08/2023	25:13:03	धनु व	बुध	कन्या	21:20:23	बुध	02/01/2012
बुध	20/04/2026	29:48:23	धनु	गुरु व	मेष	09:32:11	केतु	29/12/2012
केतु	30/05/2027	16:11:50	वृश्चि	शुक्र	कर्क	28:39:31	शुक्र	30/10/2015
शुक्र	30/07/2030	07:13:13	मीन	शनि व	मेष	22:43:12	सूर्य	05/09/2016
सूर्य	12/07/2031	09:29:56	कन्या व	राहु व	कर्क	18:02:59	चन्द्र	04/02/2018
चन्द्र	09/02/2033	09:29:56	मीन व	केतु व	मक	18:02:59	मंगल	01/02/2019
मंगल	21/03/2034	09:05:19	मक	हर्ष व	मक	19:19:26	राहु	21/08/2021
राहु	25/01/2037	02:46:09	मक	नेप व	मक	07:49:54	गुरु	26/11/2023
गुरु	08/08/2039	10:20:15	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	14:16:23	शनि	06/08/2026

लग्न-चलित

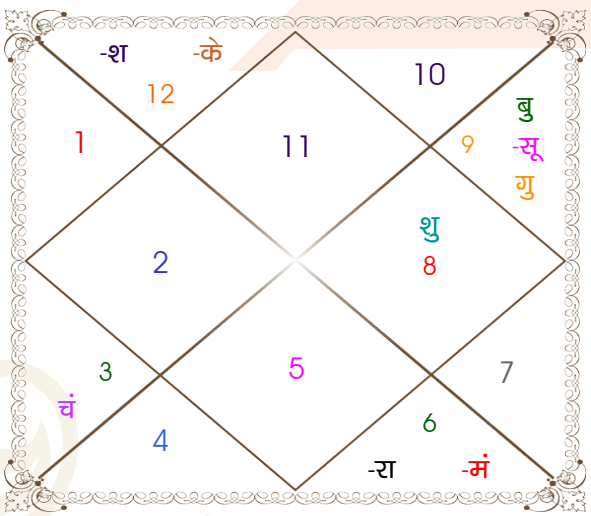

लग्न-चलित

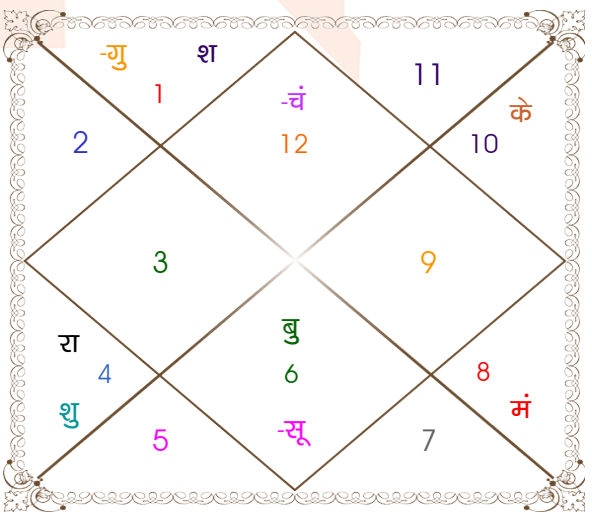

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

Male का वर्ग मार्जार है तथा Sakshi का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Male और Sakshi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Male मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Male कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Sakshi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Male तथा Sakshi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।